B.A.- III CBCS Pattern Semester-V

BA25B-3 - Hindi Literature

P. Pages : 3 **GUG/W/23/13020**

Time : Three Hours * 6 9 8 8 * Max. Marks : 80

सुचना :- सभी प्रश्न अनिवार्य है।

1. निम्नलिखित दीर्घोत्तरी प्रश्नों में से **किसी एक** प्रश्न का उत्तर लिखिए। **20**

अ) "निराला के काव्य में कल्पना और भावुकता के साथ ही यथार्थ चित्रण की प्रखरता भी सर्वत्र विद्यमान है।" इस कथन के आधार पर 'निराला' के भावपक्ष को उदाहरण देकर समझाइए।

अथवा

आ) "पंतजी हिंदी के एक उच्च कोटि के कवि है" - उदाहरण सहित स्पष्टीकरण कीजिए।

2. निम्नलिखित अवतरणों में से **किसी एक** खण्ड के सभी अवतरणों की संसदर्भ व्याख्या कीजिए। **20**

खण्ड 'क'

1) असंख्य कीर्ति - रश्मियों,
विकीर्ण दिव्य दाह - सी,
सपूत मातृभूमि के।
रूको न शूर साहसी।
अराति सैन्य-सिन्धु में, सुवाड़वाग्नि में जलो
प्रवीर हो, जयी बनो बढ़े, चलो, बढ़े चलो।

2) जो घनीभूत पीड़ा थी
मस्तक में स्मृति सी छाई
दुर्दिन में आँसू बन कर
वह आज बरसने आई।
झंझा झकोर गर्जन था
बिजली थी, नीरद माला
पाकर इस शून्य ह्रदय को
सबने आ डेरा डाला

3) धिक् जीवन को जो पाता ही आया है विरोध,
धिक् साधन जिसके लिये सदा ही किया शोध।
जानकी! हाय उध्दार प्रिया का हो न सका।
वह एक और मन रहा राम का जो न थका,
जो नहीं जानता दैन्य, नहीं जानता विनय
कर गया भेद वह मायावरण प्राप्त कर जय,
बुध्दि के दुर्ग पहुँचा विद्युत-गति हतचेतन
राम में जगी स्मृति हुए सजग पा भाव प्रमन।

4) वह सरला उस गिरि को कहती थी बादल धर।
इस तरह मेरे चितेरे हृदय की
बाह्य प्रकृति बनी चमकृत्त चित्र थी,
सरल शैशव की सुखद सुधि - सी वही
बालिका मेरी मनोरम मित्र थी।

अथवा

खण्ड - 'ब'

5) तुम वहन कर सको जनमन में मेरे विचार,
वाणी मेरी, चाहिए क्या तुम्हे अलंकार
भव-कर्म आज युग की स्थितियों से है पीड़ित
जग का रुपान्तर भी जनैक्य पर अवलंबित

6) भाव कर्म में जहाँ साम्य हो संतत
जगजीवन में हों विचार जन के स्व
ज्ञान वृध्द, निष्क्रिय न जहाँ मानव मन
मृत आदर्श न बन्धन, सक्रिय जीवन।
रुढ़ि रीतियॉ जहॉ न हो आधारित,
श्रेणि वर्ग में मानव नहीं विभाजित।

7) कोई न छायादार पेड़
वह जिसके तले बैठी हुई स्वीकार,
श्याम तन, भर बँधा यौवन,
नत नयन, प्रिय कर्म रत मन।
गुरु हथौड़ा हाथ
करती बार - बार प्रहार
सामने तरु मालिका अट्टालिका, प्राकार।

8) तू रंगा और मै घुला
पानी मैं, तू बुलबुला
तू ने दुनिया को बिगाड़ा
मैने गिरते से उभाड़ा
तू ने रोटी छीन ली जनखा बनाकर
एक की दीं तीन मैने गुन गुनाकर।

3. निम्नलिखित लघुत्तरी प्रश्नों में से **किन्ही तीन** प्रश्नों के उत्तर लिखिए। **15**

1) घनानन्दजी का संक्षिप्त जीवन परिचय दीजिए।

2) रीतिकाल का समय बतलाते हुए नामकरण पर प्रकाश डालिए।

3) रीतिकाल की प्रवृत्तियों पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

4. निम्नलिखित लघुत्तरी प्रश्नों में से **किन्हीं तीन** प्रश्नों के उत्तर लिखिए। **15**

1) आचार्य केशवदास का संक्षिप्त जीवन परिचय लिखिए।

2) रीतिमुक्त एवं रीतिबध्द में अन्तर स्पष्ट कीजिए।

3) रीतिबध्द का आशय स्पष्ट कर रीतिबध्द कवियों के नाम लिखिए।

4) "बिहारी रीतिकाल के प्रतिनिधी कवि है" समीक्षा कीजिए।

5. निम्नलिखित सभी अति लघुत्तरी प्रश्नों के उत्तर लिखना अनिवार्य है। **10**

1) भूषण किस रस के कवि थे? उनके ग्रंन्थों के नाम लिखिए।

2) पत्थर तोड़ती हुई स्त्री कहाँ बैठी थी? वह कौन-सा काम कर रही थी?

3) नवाब ने गुलाब कहाँ से मँगाये थे?

4) रीतिकाल के कवियों के नाम लिखिए।

5) रीतिबध्द कवि देव की रचनाओं के नाम लिखिए।

****